# जैव विविधता प्रबंधन व उसके संरक्षण के पहलुओं का किया मार्गदर्शन

संवाद सहयोगी, जागरण • किशनगंज : बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद एवं अररिया वन प्रमंडल द्वारा किशनगंज जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व सदस्यों की क्षमता विकास के लिए शुक्रवार को सम्राट अशोक भवन में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कोचाधामन, दिघलबैंक, बहादुरगंज एवं टेढ़ागाछ के अध्यक्ष, सदस्य सचिव, सदस्य सहित ग्रामीण ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन संयुक्त बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पटना हेम कांत राय, उप निदेशक बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पटना मिहिर कुमार झा और समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं महिला सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा प्लांट जिनोम सेमियर काम्यूनिटी पुरष्कार से सम्मानित कृषि विशेषज्ञ भागलपुर सुबोध चौधरी ने गेहूं के

प्रशिक्षण कार्यशाला में मौजूद जैव विविधता पर्षद पटना हेम कान्त राय, मिहिर कुमार झा व अन्य • जागरण

देशज प्रगति सोना मोती के रोपण संबंधी जानकारी दिए। कार्यशाला में जैव विविधता प्रबंधन एवं उसके संरक्षण के महत्त्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में मार्ग दर्शन दिया गया। जैव विविधता रजिस्टर के बारे में बताया गया। साथ ही पंचायतों में प्राकृतिक महत्व के भूखंड व वास स्थल, झील, नदी तट, नदी खंड, विलक्षण किस्म के कृषि या बागवानी के स्थल की जानकारी दिए । ताकि उनके संरक्षण के कार्य प्रभावी रूप से किए जाए। जिला के जैव विविधिता एवं जैव विविधता संबंधी स्थानीय पहलुओं यथा कृषि, पशुपालन, मत्सियकी, भौगोलिक परिस्थिति की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीव के विभिन्न रूप हम मनुष्यों के साथ सभी जीवों की आवश्यकताओं की पूर्ति हमारी जैव संपदा द्वारा ही संभव है। जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन में लोगों का सहयोग जरूरी है। कार्यशाला में वनों के क्षेत्र पदाधिकारी अंशुमान, दिनेश कुमार यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।